

Chapter: 1 to 4

विभाग १ - गदय

प्र.१ (अ) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए (गदय)

(8)

एक राजा था। उसके चार बेटियाँ थीं। राजा ने सोचा कि इन चारों में से जो सबसे बुद्धिमती होगी, उसे ही अपना राजपाट सौंपेगा। इसका फैसला कैसे हो? वह सोचने लगा। अंत में उसे एक उपाय सूझ गया।

उसने एक दिन चारों बेटियों को अपने पास बुलाया। सभी को गेहूँ के सौ-सौ दाने दिए और कहा, "इसे तुम अपने पास रखो, पाँच साल बाद मैं जब इन्हें माँगूँगा तब तुम सब मुझे वापस कर देना।"

गेहूँ के दाने लेकर चारों बहनें अपने-अपने कमरे में लौट आईं। बड़ी बहन ने उन दानों को खिड़की के बाहर फेंक दिया। उसने सोचा, 'आज से पाँच साल बाद पिता जी को गेहूँ के इन दानों की याद रहेगी क्या? और जो याद भी रहा तो क्या हुआ..., भंडार से लेकर दे दूँगी।'

दूसरी बहन ने दानों को चाँदी की एक डिब्बी में डालकर उसे मखमल के थैले में बंद करके सुरक्षा से अपनी संदूकची में डाल दिया। सोचा, 'पाँच साल बाद जब पिता जी ये दाने माँगेंगे, तब उन्हें वापस कर दूँगी।'

तीसरी बहन बस सोचती रही कि इसका क्या करूँ। चौथी और छोटी बहन तनिक बच्ची थी। शरारतें करना उसे बहुत पसंद था। उसे गेहूँ के भुने दाने भी बहुत पसंद थे। उसने दानों को भुनवाकर खा डाला और खेल में मग्न हो गई।

तीसरी राजकुमारी को इस बात का यकीन था कि पिता जी ने उन्हें यँ ही ये दाने नहीं दिए होंगे। जरूर इसके पिछे कोई मकसद होगा। पहले तो उसने भी अपनी दूसरी बहनों की तरह ही उन्हें सहेजकर रख देने की सोची, लेकिन वह ऐसा न कर सकी। दो-तीन दिनों तक वह सोचती रही, फिर उसने अपने कमरे की खिड़की के पीछेवाली जमीन में वे दाने बो दिए। समय पर अंकुर फूटे। पौधे तैयार हुए, दाने निकले। राजकुमारी ने तैयार फसल में से दाने निकाले और फिर से बो दिए। इस तरह पाँच वर्षों में उसके पास ढेर सारा गेहूँ तैयार हो गया।

पाँच साल बाद राजा ने फिर चारों बहनों को बुलाया और कहा - "आज से पाँच साल पहले मैंने तुम चारों को गेहूँ के सौ-सौ दाने दिए थे और कहा था कि पाँच साल बाद मुझे वापस करना। कहाँ हैं वे दाने?"

बड़ी राजकुमारी भंडार घर जाकर गेहूँ के दाने ले आई और राजा को दे दिए। राजा ने पूछा, "क्या ये वही दाने हैं जो मैंने तुम्हें दिए थे?"

पहले तो राजकुमारी ने 'हाँ' कह दिया। मगर राजा ने फिर कड़ककर पूछा, तब उसने सच्ची बात बता दी।

1 A1) ..

2

चौकटी पूर्ण कीजिए।

i. राजा की सबसे छोटी बेटी थी - _____

ii. राजा ने सभी बेटियों को दिए - _____

iii. बड़ी राजकुमारी ने गेहूँ के दाने - _____

iv. तीसरी बेटी ने गेहूँ के दाने - _____

A2) ..

2

उचित घटनाक्रम लगाकर वाक्य फिर से लिखिए।

- तीसरी बहन सोचती रही कि इनका क्या करूँ ?
- चौथी और छोटी बहन तनिक बच्ची थी।
- अंत में उसे एक उपाय सूझ गया।
- उसने दानों को भुनवाकर खा डाला।

A3) ..

2

- अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए।

१. बीच में से निकलने वाला नया डंठल - _____

२. जहाँ खेती की जाती हो - _____

- निम्नलिखित शब्दों के वचन पहचान कर लिखिए।

१. शरारतें -

२. राज पाट -

A4) ..

2

स्वमत अभिव्यक्ति।

बुद्धिमान शासक के शासन में ही प्रजा सुखी रहती है' विषय पर २५ से ३० शब्दों में अपने विचार लिखिए।

(ब) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

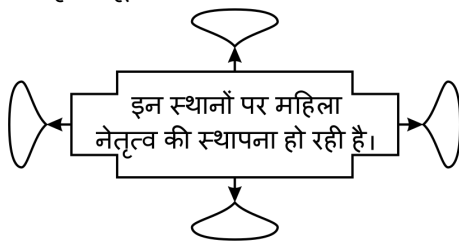
(4)

आज संसार महिलाओं की योग्यता को पहचान चुका है। इसी का प्रभाव है जो यूरोप, एशिया, अमरीका, अफ्रीका आदि सभी स्थानों पर महिला नेतृत्व की स्थापना हो रही है। संसार में आज तक कितने ही पुरुषों तानाशाह के रूप में शासन कर जनता से बर्बरतापूर्वक व्यवहार किया है और ऐसे शासकों द्वारा प्रगति के संबंध में भी कोई विशेष प्रयास नहीं किए गए। आज समय महिलाओं के साथ है और संपूर्ण विश्व के वासी अपने घरों पर मरहम लगाने हेतु महिला नेतृत्व को स्वीकार कर रहे हैं। विश्व की सबसे छोटी ईकाई परिवार है और परिवार के सभी सदस्यों के सफल जीवन की सूत्रधार महिला ही होती है किंतु ऐसा नहीं है कि केवल वह परिवार तक ही सीमित होती है या केवल एक परिवार को ही सफल कर सकती है।

1 A1) ..

2

आकृति पूर्ण कीजिए।



A2) ..

2

स्वमत।

'नारियों के बढ़ते कदम' इस विषय पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

विभाग २ - पदय

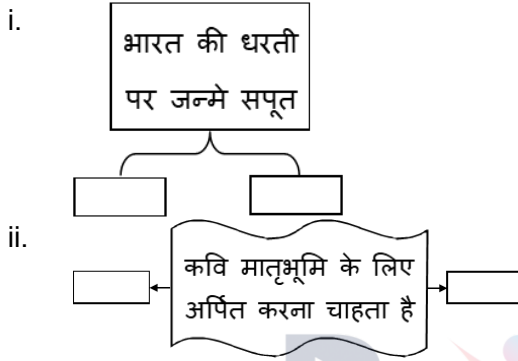
पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए (पद्य)

(6)

प्र. २	<p>हे मातृभूमि ! तेरे चरणों में शीश नवाऊँ । मैं भक्ति भेंट अपनी, तेरी शरण में लाऊँ ॥</p> <p>माथे पे तू हो चंदन, छाती पे तू हो माला; जिह्वा पे गीत तू हो मेरा, तेरा ही नाम गाऊँ ॥</p> <p>जिससे सपूत उपजें, श्री राम-कृष्ण जैसे; उस धूल को मैं तेरी निज शीश पे चढ़ाऊँ ॥</p> <p>माई ! समुद्र जिसकी पद रज को नित्य धोकर; करता प्रणाम तुझको, मैं वे चरण दबाऊँ ॥</p> <p>सेवा में तेरी माता ! मैं भेदभाव तजकर; वह पुण्य नाम तेरा, प्रतिदिन सुनूँ-सुनाऊँ ॥</p> <p>तेरे ही काम आऊँ, तेरा ही मंत्र गाऊँ । मन और देह तुम पर बलिदान मैं जाऊँ ॥</p>	(6)
--------	--	-----

1 A1) .. 2

आकृति पूर्ण कीजिए।



A2) .. 2

i. पद्यांश में प्रयुक्त तुकांत शब्द चुनकर लिखिए।

१.

२.

ii. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए :

१. चरणों

२. सपूत

A3) .. 2

भावार्थ लिखिए ।

जिससे सपूत उपजें, श्री राम-कृष्ण जैसे;

उस धूल को मैं तेरी निज शीश पे चढ़ाऊँ ॥

विभाग ३ - भाषा अध्यन (व्याकरण)

प्र. (1) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए (1)

३

बलिदानी मानव हित कर रहे थे।

(2) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त अव्यय ढूँढ़कर उसका भेद लिखिए (1)

चंद्रलोक या मंगल ग्रह पर जाएँ।

(3) सुचना के अनुसार कालपरिर्तन किजिए (1)

बहुमंजिला इमारत की दीवार नींव से उठ रही थी। (सामान्य भविष्यकाल)

विभाग ४ - रचना विभाग

- प्र. पत्र लेखन (4)
- ४.
- प्र. कमल / कमला, विकास बाजार, पुणे से मुख्य अधिकारी, महानगरपालिका पुणे को बाजार में फैली गंदगी की (4)
४. शिकायत करते हुए पत्र लिखता / लिखती है।

OR

अपने पुत्र को आजादी का महत्व बताते हुए पत्र लिखिए।

